10/7/20 (समाजशास्त्र) पत्रम पत्र समाजशास्त्र-II BA Part III

(1)

मैक्स वेबर का सामाजिक क्रिया
('Social Action')

वेबर ने सामाजिक क्रिया (~~Handeln~~) की परिभाषा इस भाँति की है।

"हम सामाजिक क्रिया (Handeln) किसी भी मानव अभिवृत्ति या गतिविधि को कहेंगे, जिसके साथ कर्ता अपना व्यक्तिनिष्ठ अर्थ (sinn) निहित करता है।

→ सामाजिक क्रिया एक ऐसी क्रिया है जिसका व्यक्तिनिष्ठ अर्थ एक या अनेक कर्ता देते हैं। इसमें दूसरे लोगों की अभिवृत्तियाँ और क्रियाएं होती हैं जिन्हें अन्तः क्रियाओं में देखा जा सकता है।

वेबर कहते हैं कि समाजशास्त्र अपने अन्तिम अर्थ में एक ऐसा विज्ञान है जो सामाजिक क्रिया की निर्वचनात्मक समझ को विकसित करता है जिसके माध्यम से क्रियाओं के बीच में जो कारण-कार्य विश्लेषण होता है उसे रखा जा सके।

ये परिभाषाएँ अपने अर्थ में गुणात्मक हैं। इससे यह स्पष्ट है कि वेबर ने सामाजिक क्रिया की अवधारणा के साथ ही निर्वचनात्मक समझ को प्रस्तुत किया है इस समझ को वेबर समर्थन शब्दावली में वेरस्टेहन (Verstehen) कहते हैं। बड़े आग्रह के साथ वेबर का कहना है कि यदि सामाजिक क्रियाओं में हमें कर्ता का वैयक्तिक दृष्टिकोण प्राप्त नहीं होता तो किसी भी अर्थ में समाजशास्त्रीय सिद्धान्त का वह अंग नहीं हो सकता इसका अर्थ यह हुआ कि वेबर की रुचि कर्ता के केवल उस व्यवहार से है जिसमें वह अपने स्वयं का

Scanned by TapScanner

अर्थ लगाते हैं। जिन अवधारणाओं के साथ वेबर अपना सरोकार बताते हैं वे सब अनुभाविक हैं।

→ वेबर ने यह भी कहा है कि कर्ता द्वारा दिया गया मूल्य अर्थ तार्किक या भावनात्मक भी हो सकता है। उदाहरण के लिए क्रोध या खुशी भी सामाजिक क्रिया के अन्तर्गत आ जाते हैं।

टेलकट पारसंस ने वेबर की सामाजिक क्रिया की अवधारणा की व्याख्या की है। इनका कहना है कि वेबर ने निर्वैयक्तिक प्रक्रियाओं को सामाजिक क्रिया से निकाल कर मूल की है। किसी भी विज्ञान के लिये जिसका सम्बन्ध सामाजिक क्रिया से है :— निर्वैयक्तिक प्रक्रियाओं और वस्तुओं को सम्मिलित करना आवश्यक है, कि सम्मिलित करने का निर्णय परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

मैक्स वेबर ने जिस तरह समाजशास्त्र और सामाजिक क्रिया को परिभाषित किया है इसमें उनका केन्द्रीय उद्देश्य प्रघटनाओं के बारे में एक ऐसी समझ पैदा करना है जिसकी प्रकृति निर्वचनात्मक हो।

वेबर द्वारा विकसित सामाजिक क्रिया की अवधारणा सूत्र रूप में इस प्रकार है

सामाजिक क्रिया = गतिविधि + अर्थ

या

सामाजिक क्रिया अर्थ = गतिविधि.

Prepared:
Dr Arun Kumar
Reader
Depth of sociology
Shershah College
Sasaram.

Scanned by TapScanner